ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-१८
दिनांक-मंगलवार,५ मार्च,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २५.५ एवं १०.७ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८४ सुबह में एवं दोपहर में ४४ प्रतिशत, हवा की औसत गति २.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.७ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.५ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १५.४ एवं दोपहर में २३.६ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(६ से १० मार्च,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ६ से १० मार्च,२०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान २७ से २९ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान १३ से १५ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- औसतन ७-१० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चल सकती है। हालाकि १० मार्च में कहीं-कहीं पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८० से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में मौसम के शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए किसान भाई सरसों की कटनी, दौनी एवं सुखाने के कार्य को उच्च प्राथमिकता देकर समपन्न करें। आलू की खुदाई कर भंडारित करे। रवी मक्का की धनबाल व मोचा निकलने से दाना बनने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी बनाए रखें।
- गरमा मौसम की सब्जियों जैसे भिन्डी, कद्दू, कदिमा, करेला, खीरा व नेनुआ आदि की बुआई अविलंब संपन्न करें। विगत माह बोयी गई सब्जियों की फसल में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। कीट एवं रोग-व्याधि की निरन्तर निगरानी करते रहें।
- गेहूँ की दाना बनने से दुध भरने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी का विशेष ध्यान रखें। इस अवस्था में नमी की कमी रहने से उपज में कमी आती है।
- ओल की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर १५-२० टन गोबर की खाद, ४० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ८० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। उत्तर बिहार में रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई करें। बुआई के पूर्व २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फूर, २० किलोग्राम पोटाश तथा २० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। **मूंग** के लिए *पूसा विशाल, सम्राट, एस०एम०एल०-६६८, एच०यू०एम०-१६ एवं सोना* तथा **उरद** के लिए *पंत उरद-१९, पंत उरद-३१, नवीन एवं उत्तरा* किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम २.५ ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु २०-२५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु ३०-३५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30x10 से०मी० रखें।
- गरमा मक्का की बुआई के लिए वैसी निचली भूमि का चयन करें जहाँ सिंचाई की सुविधा सुनिश्चित हों। गरमा मक्का की बुआई अविलम्ब संपन्न करें। जुताई से पूर्व खेतों में प्रति हेक्टेयर १०-१५ टन गोबर की खाद, ५० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। बुआई के लिए सुवान, देवकी, गंगा ११, शक्तिमान १,२,३,४ एवं शक्तिमान ५ किस्में अनुशंसित है। बीज दर २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। प्रति किलोग्राम बीज को २.५ ग्राम थीरम या कैप्टाफ द्वारा उपचारित कर बुआई करें।
- सुर्यमुखी की बुआई १० मार्च तक संपन्न कर लें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को २ ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।
- पशुपालक भाई हरा चारा के लिए ज्वार की बुआई करे। इसकी स्वीट ज्वार (मल्टीकट) या कोहवा प्रभेद लगाएँ। ज्वार के साथ हाईब्रीड मेथ या बोरी की फसल जरुर लगावें। मकई की अफ्रीकन टॉल प्रभेद की बुआई करे।
- प्याज की फसल में खर-पतवार निकालें। फसल में १० से १२ दिनों पर लगातार सिंचाई करें। प्याज में थ्रिप्स कीट की निगरानी करें। यह प्याज को नुकसान पहुँचानेवाला मुख्य कीट है। यह आकार में अतिसुक्ष्म होता है तथा पत्तियों की सतह पर चिपक कर रस चुसते है जिससे पत्तियों का ऊपरी हिस्सा टेढ़ा-मेढा हो जाता है। पत्तियों पर दाग सा दिखाई देता है जो बाद में हल्के सफेद हो जाते है। जिससे उपज में काफी कमी आती है। थ्रीप्स की संख्या फसल में अधिक पाये जाने पर प्रोफेनोफॉस ५० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का १.० मी.ली. प्रति ४ लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः २७.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.६ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः १२.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.१ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी